बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

बुधवार, तिथि २७ मार्च, १९७४ ई०

विषय-सूची

	पृष्ठ
प्रश्नों के लिखित उत्तर :—बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन नियमावली के नियम ४ II के परन्तुक के अन्तर्गत् प्रश्नों के उत्तरों का सभा मेज-पर रखा जाना :	
प्रश्नों के मौखिक उत्तर :	
अल्प-सूचित प्रश्न संख्या : ८, ९, एवं १०	१-११
तारांकित प्रश्न संख्या : ७२, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९, ८०, ८१, ८५, ८६, ९०, ९५, ९६, १०२, १०३, ३९०, ३९१, एवं ३९६ ।	११-३४
परिशिष्ट १ (प्रश्नों के लिखित उत्तर) :	३५-१२२
परिशिष्ट २	१२३-
दैनिक निबन्ध :	

टिप्पणी :—जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है उनके नाम के आगे (*) चिह्न लगा दिया गया है !

है और इसके ऊपर पीवर्स और एक्टमेंट का निर्माण हुआ है। पुल की हालत ठीक है। कौजवे के वनमनखी तरफ की बांयी ओर के रिटर्न वाल में पथ सतह से एक फीट नीचे पतला समानान्तर क्रैक करीब १।८ ईंच फीट चार फीट में ईंट की जोड़ाई में है जिसे ठीकेदार ठीक कर रहे हैं। अन्य कोई डिफेक्ट नहीं है। ठीकेदार का अंतिम विपत्र का भुगतान नहीं हुआ है।

(४) इसका प्रश्न नहीं उठता है।

सड़क का पक्कीकरण

४४१। **श्री बालिक राम**—क्या मंत्री, लोक निर्माण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) वैशाली जिले के महुआ-ताजपुर सड़क का पक्कीकरण कब हुआ ;

(२) उपर्युक्त सड़क की दूरी वैशाली जिला के अन्तर्गत कितनी है तथा उसमें शेष कितनी मील सड़क का अभी तक पक्कीकरण नहीं हुआ है ?

श्री रफीक आलम—(१) इस पथ का प्रथम ५ मील का पक्कीकरण ३०-१२-७० एवं ५ से १० मील का ३०-६-६८ को समाप्त हुआ।

(२) इस पथ की लम्बाई पातेपुर लिंक समेत २१·४५ मील है जो पूर्णतः वैशाली जिला के अन्तर्गत है।

इस २१·४५ मील में से लोक निर्माण विभाग को सिर्फ १४ मील २७००० फीट यानी दरभंगा जिला सीमा तक ही पक्कीकरण करना था जिसमें प्रथम १० मील तक पक्कीकरण हो गया है ११, १२, १३ मील में झामा मेटल का काम हो गया है तथा १४वां मील एवं शेष भाग अभी बचा है।

सड़क का निर्माण

४४२। **श्री अनुप लाल यादव**—क्या मंत्री, लोक निर्माण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत त्रिवेणीगंज से जदीया की दूरी सिर्फ सात मील है;

(२) क्या यह बात सही है कि सात मील दूरी तय करने के लिये सरकारी अधिकारी तथा अन्य व्यक्तियों को ६० मील की दूरी तय करनी पड़ती है;

(३) क्या यह बात सही है कि त्रिवेणीगंज से मीरगंज भाया जदीया सड़क सरकार द्वारा स्वीकृत कर ली गयी थी और बाद में त्रिवेणीगंज से जदीया को छोड़कर मीरगंज से बलुआ सड़क स्वीकृत की गयी;

(४) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार त्रिवेणीगंज से जदीया सड़क जो अभी लो० नि० वि० द्वारा स्वीकृत है, को बनाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक यदि नहीं तो क्यों ?

श्री रफीक आलम—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) मधेपुरा अनुमंडलीय मुख्यालय होकर त्रिवेणीगंज से जदीया की दूरी प्रायः ५ मील पड़ता है।

(३) मूल प्रशासनिक स्वीकृती त्रिवेणीगंज से जदीया होते हुये बलूआ तक (कुल ३१ मील) पथ सुधार के लिये मिली थी। किन्तु विस्तृत सर्वेक्षण के समय देखा गया कि त्रिवेणीगंज से जदीया के बीच कोशी की चार धारायें पड़ती हैं जिस कारण इस अंश के निर्माण के लिये बहुत अधिक राशि की आवश्यकता पड़ेगी अतः अर्थाभाव के कारण सरकार ने १३-१-७१ को निर्णय लिया कि तत्काल जदीया से बलूआ अंश का ही निर्माण किया जाय एवं बाद में राज्य की आर्थिक अवस्था सुधरने पर त्रिवेणीगंज से जदीया अंश के निर्माण के प्रश्न पर निर्णय लिया जायगा।

(४) राज्य की आर्थिक अवस्था सुधरने पर इसके निर्णय पर विचार किया जा सकेगा।

सड़क की मरम्मत

४४४। श्री कपिलदेव सिंह—क्या मंत्री, लो० नि० वि०, यह बताने की कृपा करेंगे कि बड़हिया-मुंगेर सड़क किउल १ रेलवे सड़क और लखीसराय बरबीघा सड़क की स्थिति को सुधारने के लिये सरकार की क्या योजना है और अभी उसमें कौन सी कारंवाई की जा रही है ?

श्री रफीक आलम—बड़हिया-मुंगेर सड़क, किउल रेलवे स्टेशन सड़क और लखीसराय बरबीघा सड़क की स्थिति मानती पर साधारण है। मरम्मत मद में निधि की कमी के कारण समुचित मरम्मत नहीं हो पायी है। उपर्युक्त सड़कों की स्थिति सुधारने के लिये सरकार द्वारा की जानेवाली कार्रवाई की विवरणी सभा की मेज पर रख दी गई।